संजीव®

संशोधित एवं परिवर्द्धित नवीन संस्करण
2024-25

राजस्थान ATLAS

50 जिलों पर आधारित

राजस्थान के भूगोल एवं अर्थव्यवस्था पर आधारित पूर्णतः रंगीन मानचित्रावली

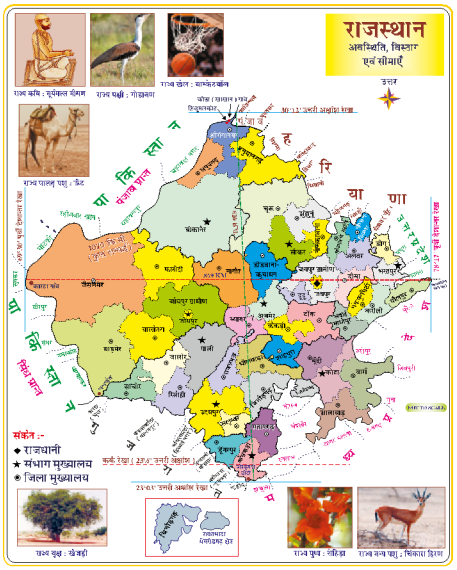

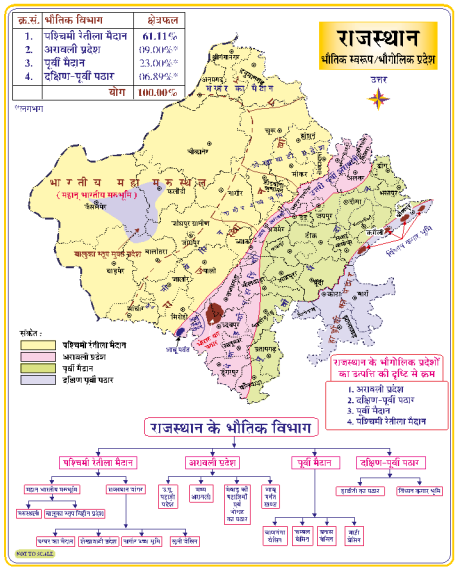

क्र.सं.	भौतिक विभाग	क्षेत्रफल
1.	पश्चिमी रेतीला मैदान	61.11%
2.	अरावली प्रदेश	09.00%
3.	पूर्वी मैदान	23.00%
4.	दक्षिण-पूर्वी पठार	06.89%
	योग	100.00%

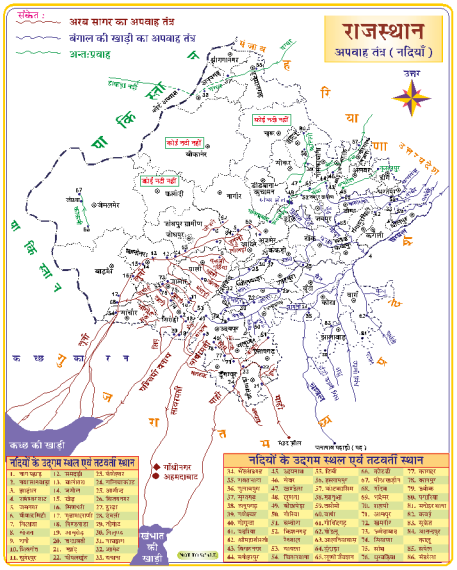

मार्गदर्शक

मनोहर सिंह कोटड़ा [R.L.W.S.]
(सहायक श्रम आयुक्त)
विशेषज्ञ - राजस्थान सामान्य ज्ञान
लेखक - राजस्थान धरोहर प्राधिकरण, जयपुर
R.A.S.-2012 एवं R.A.S.-2013 में चयनित

एस.आर. आँजणा [R.R.D.S.]
(B.D.O.)
1st Rank, शिक्षक भर्ती परीक्षा, 2004
वरिष्ठ अध्यापक, प्रधानाध्यापक (मा.शि.बो.)
एवं R.A.S.-2012 में चयनित

प्रेरणास्रोत :
श्रीमान् हनुमान सिंह भाटी
सेवानिवृत शिक्षक
(खण्डप, बालोतरा)

संपादक एवं संकलनकर्ता

दीपा रत्नू (लेखिका)
M.A. (इतिहास), M.S.W., B.Ed.,
विशेषज्ञ : राजस्थान सामान्य ज्ञान

संपादन सहयोग : डॉ. ओ.पी. पटेल, डॉ. दीपेश कुमार सैनी, मोहनलाल सुथार, अर्जुन देवासी, लक्षिता कँवर, दिग्विजय सिंह

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट,
  चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
  email : sanjeevprakashanjaipur.@gmail.com
  Website : www.sanjiveprakashan.com

- © दीपा रत्नू

- ❑ **संस्करण : 2024-25**
- **मूल्य : ₹ 400.00**
- ***ग्राफिक्स :***
  Ideal Creation, *जयपुर*
  (संजय कुमार जैन)
- ***लेजर टाइपसैटिंग :***
  संजीव प्रकाशन (D.T.P.),
  जयपुर
- ***मुद्रक :***
  एक्सपर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

सादर समर्पण

पूज्य शांतिनाथ जी महाराज, सिरे मंदिर, जालोर

भारतवर्ष के एक प्राचीन नगर **जालोर** के निकट **कणियागिरी पर्वतांचल** में स्थित है **'सिरे मंदिर धाम'**। यह स्थान **योगीराज जलंधरनाथ महाराज की तपस्यास्थली** है। सिरेमंदिर, जालोर के **पूज्य शांतिनाथ जी महाराज** (1940-2012 ई.) सिद्ध संत एवं लोक कल्याणकारी महात्मा हुए।

प्रेरणापुंज : भक्त कवि ठाकुर नैनदान वणसूर (1926-1997 ई.)

भक्तकवि **ठा. नैनदान वणसूर** का जन्म **1926 ई.** में तत्कालीन **मारवाड़** रियासत के **जालोर** परगने के **कोटड़ा** ठिकाणे (तहसील-आहोर) में हुआ। यह गाँव उनके पूर्वज **मोतीसरी** ठिकाणे के **ठा. लक्ष्मीदान वणसूर** को मारवाड़ के **महाराजा गजसिंह** (1619-1638 ई.) के शासनकाल में **दक्षिण अभियान** के तहत अहमदनगर की लड़ाई में सेना के अग्रिम दस्ते (हरावळ) में अद्‌भुत शौर्य एवं वीरता प्रदर्शित करने के उपरान्त **जागीर** में मिला।

आप **भारतीय इतिहास**, **धर्मशास्त्रों** (विशेषकर रामचरित मानस), **राजस्थानी भाषा-साहित्य** एवं **लोक साहित्य** के प्रकाण्ड विद्वान थे। 20वीं सदी के **राजस्थानी डिंगल कवियों** में आपका विशिष्ट स्थान है। आपकी **भक्तिपरक रचनाओं** के प्रमुख विषय लोक देवियाँ, लोकसंत, सनातन धर्म एवं नाथ सम्प्रदाय रहे हैं। जालोर स्थित **सिरे मंदिर** के **पूज्य शांतिनाथजी महाराज** के प्रति आपकी विशेष आस्था रही है। पूज्य महाराज जी भी आपका बहुत आदर एवं सम्मान करते थे। आपकी प्रमुख रचनाएँ **करणाइष्टक**, **नाथ-स्तुति**, **जगन रो गीत**, **राजाराम वंदन** इत्यादि हैं।

राजस्थान सामान्य ज्ञान को समझने के लिए प्रतियोगी परीक्षार्थियों को सर्वप्रथम **मानचित्रों का ज्ञान** आवश्यक है। **राजस्थान एटलस** के संपादक और लेखक **श्री मनोहर सिंह कोटड़ा** एवं **श्री एस.आर.आंजणा** द्वारा उक्त सभी पहलुओं को **मानचित्रों के माध्यम** से रोचक, सरल एवं बोधगम्य तरीके से प्रस्तुत किया गया है। **RAS** सहित राजस्थान की **सभी प्रतियोगी परीक्षाओं** की तैयारी करने वाले सभी प्रतिभागियों की सफलता में यह पुस्तक **रामबाण** साबित होगी।

शुभकामनाओं सहित!

अवि गर्ग, R.A.S.

- ❑ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-
  email:sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन, धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर।
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- ❑ इस पुस्तक की समस्त सामग्री, मानचित्र, रेखाचित्र एवं सारणियों को किसी भी रूप में या तोड़-मरोड़कर छापना गैरकानूनी होगा। ऐसा करने पर समस्त पकार के हर्जाने का वहन वह व्यक्ति या फर्म करेगी।
- ❑ इस पुस्तक में प्रकाशित समस्त मानचित्र मापनी पर आधारित नहीं हैं (नजरी नक्शा मात्र)। इन्हें पाठक को विषय-वस्तु की रोचक एवं सरल जानकारी देने हेतु रेखाचित्रों के रूपों में प्रस्तुत किया गया है।
- ❑ इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकया तरीके-इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से लेखक एवं प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- ❑ हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- ❑ सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

क्र.	अध्याय का नाम	पेज नम्बर
1.	भारत के मानचित्र में राजस्थान	4
2.	राजस्थान : अवस्थिति, विस्तार एवं सीमाएँ	6
3.	राजस्थान : विविध क्षेत्रीय नामकरण	8
4.	राजस्थान : प्रशासनिक स्वरूप (संभागीय व्यवस्था)	10
5.	राजस्थान : भौतिक स्वरुप	12
6.	थार का मरूस्थल	14
7.	राजस्थान : भूगर्भिक शैल संरचना	16
8.	राजस्थान : अरावली पर्वतमाला	18
9.	राजस्थान : जलवायु	20
10.	राजस्थान : जलवायु प्रदेश (कोपेन)	22
11.	राजस्थान : जलवायु प्रदेश (थॉर्नथ्वेट एवं ट्रिवार्था)	24
12.	राजस्थान : मानसून एवं वर्षा	26
13.	राजस्थान : मृदा संसाधन (मिट्टियाँ)	28
14.	भारत के मानचित्र में राजस्थान का अपवाह तंत्र	30
15.	राजस्थान का अपवाह तंत्र (नदियाँ), अन्त:प्रवाही नदियाँ	32
16.	राजस्थान : अरब सागरीय अपवाह तंत्र	34
17.	राजस्थान : बंगाल की खाड़ी का अपवाह तंत्र	36
18.	राजस्थान : झीलें एवं जल स्रोत	38
19.	उदयपुर नगर का जल संरक्षण, राजस्थान में जल संरक्षण की परम्परागत विधियाँ	42
20.	राजस्थान : वन सम्पदा (प्राकृतिक वनस्पति)	44
21.	राजस्थान : राष्ट्रीय उद्यान, नमभूमि स्थल, बाघ परियोजनाएँ	46
22.	राजस्थान : आखेट निषिद्ध क्षेत्र	48
23.	राजस्थान : वन्य जीव अभयारण्य	49
24.	राजस्थान : कंजर्वेशन रिजर्व, जिलेवार वनावरण एवं वन क्षेत्र	50
25.	राजस्थान : कृषि परिदृश्य, खाद्यान्न फसलें	52
26.	राजस्थान : दलहनी एवं तिलहनी फसलें	54
27.	राजस्थान : बागवानी एवं अन्य फसलें	56
28.	राजस्थान : कृषि जलवायु प्रदेश	58
29.	राजस्थान : सिंचाई के साधन	60
30.	राजस्थान : बहु-उद्देश्यीय परियोजनाएँ	62
31.	राजस्थान : वृहद् सिंचाई परियोजनाएँ	64
32.	इंदिरा गाँधी नहर परियोजना	66
33.	राजस्थान : मध्यम एवं लघु सिंचाई परियोजनाएँ	68
34.	राजस्थान : प्रमुख पेयजल परियोजनाएँ	70
35.	राजस्थान : पशुधन (गौवंश एवं भैंस)	72
36.	राजस्थान : पशुधन (भेड़ एवं बकरी)	74
37.	राजस्थान : विविध पशुधन (ऊँट, अश्व, गधे-खच्चर, सुअर), मुर्गीपालन एवं मत्स्यपालन	76
38.	राजस्थान : खनिज संसाधन, धात्विक खनिज	78
39.	राजस्थान : अधात्विक खनिज	80
40.	राजस्थान : इमारती पत्थर एवं संगमरमर	82
41.	राजस्थान : ईंधन खनिज	84
42.	राजस्थान : रत्न खनिज	86
43.	राजस्थान : प्रमुख उद्योग	88
44.	राजस्थान : ऊर्जा (विद्युत) परिदृश्य	90
45.	राजस्थान : सड़क परिवहन	92
46.	राजस्थान : राष्ट्रीय राजमार्ग	94
47.	राजस्थान : रेल परिवहन	98
48.	राजस्थान : वायु परिवहन	100
49.	राजस्थान में भौगोलिक संकेतक	102
50.	राजस्थान : प्रमुख पर्यटन स्थल	103
51.	राजस्थान : शैक्षिक परिदृश्य	106
52.	राजस्थान : उच्च शिक्षा (विश्वविद्यालय)	110
53.	राजस्थान : जनसंख्या वितरण (जनगणना-2011)	114
54.	राजस्थान : जनसंख्या घनत्व (जनगणना-2011)	116
55.	राजस्थान : लिंगानुपात (जनगणना-2011)	118
56.	राजस्थान : साक्षरता दर (जनगणना-2011)	120
57.	राजस्थान : पुरुष साक्षरता (जनगणना-2011)	122
58.	राजस्थान : महिला साक्षरता (जनगणना-2011)	124
59.	राजस्थान : लक्खी नगर (जनगणना-2011)	126
60.	राजस्थान : जनजाति जनसंख्या (जनगणना-2011)	127
61.	राजस्थान के मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री	128

1. भारत के मानचित्र में राजस्थान

- **राजस्थान** भारत के **उत्तर-पश्चिमी भाग** में अवस्थित देश का **वृहद्तम राज्य** है। भारत के कुल **32,87,263 वर्ग किमी.** क्षेत्रफल में से **3,42,239.74** वर्ग किमी. क्षेत्रफल **राजस्थान** राज्य के अन्तर्गत आता है, जो कि **देश के कुल क्षेत्रफल** का **10.41%** (लगभग) है।
- **क्षेत्रफल** की दृष्टि से राजस्थान राज्य विश्व के कई देशों से भी बड़ा है। यह प्रदेश **इजराइल** से 17 गुना, **श्रीलंका** से 5 गुना, **इंग्लैण्ड** से दुगुना, **जापान** के लगभग बराबर तथा **नॉर्वे, पोलैण्ड, इटली** इत्यादि देशों से अधिक क्षेत्रीय विस्तार (क्षेत्रफल) रखता है।
- **भारत** के मुख्य भू-भाग का अक्षांशीय विस्तार **8°4′** उत्तरी अक्षांश से **37°6′** उत्तरी अक्षांश एवं देशान्तरीय विस्तार **68°7′** पूर्वी देशान्तर से **97°25′** पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इसमें **राजस्थान** राज्य **23°03′ उत्तरी अक्षांश से 30°12′ उत्तरी अक्षांश** एवं **69°30′ पूर्वी देशान्तर से 78°17′ पूर्वी देशान्तर** के मध्य विस्तृत है।
- **कर्क रेखा** (Line of Cancer) (23½° या 23°30′ उत्तरी अक्षांश रेखा), **राजस्थान** के सुदूर दक्षिणी भाग में **बाँसवाड़ा** (सर्वाधिक लम्बाई) एवं **डूँगरपुर** जिलों से गुजरती है, अतः राज्य का अधिकांश भाग **'शीतोष्ण कटिबंध'** के अन्तर्गत आता है।
- राजस्थान राज्य का **सम्पूर्ण भू-भाग** भारत के तीन भौतिक विभागों में सम्मिलित है। राज्य का दो-तिहाई उत्तरी एवं पश्चिमी भू-भाग **थार का मरुस्थल** नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत आता है। इसमें राज्य का **उत्तर एवं पश्चिमी भाग** सम्मिलित है। राज्य का **पूर्वी भाग** भारत के **उत्तरी विशाल मैदान** नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत एवं **अरावली पर्वतमाला** सहित दक्षिणी-पूर्वी भाग (हाड़ौती का पठार) भारत के **प्रायद्वीपीय पठार** नामक भौतिक विभाग के अन्तर्गत सम्मिलित है।
- भारत का एकमात्र उष्ण मरुस्थल **'थार का मरुस्थल'** राजस्थान के उत्तरी एवं पश्चिमी भागों में विस्तृत है। यह मरुस्थल **'ग्रेट अफ्रीकन पैलियोजॉइक मरुस्थल'** का सबसे पूर्वी भाग है।
- **अरावली,** जो कि **विश्व की सबसे प्राचीन वलित पर्वतमाला** है, का सबसे अधिक विस्तार (550 किमी.) राजस्थान में मिलता है। वर्तमान में यह पर्वतमाला **अपघर्षित एवं अवशिष्ट अवस्था** में है।
- भारत में हिमालय पर्वतमाला एवं दक्षिण के पठार के मध्य **पश्चिम भारत** की सर्वोच्च पर्वत चोटी **गुरुशिखर** (1722 मी.) **अरावली पर्वतमाला** के **आबू पर्वत (सिरोही)** पर स्थित है। इतिहासकार **कर्नल टॉड** द्वारा इसे **'संतों का शिखर'** कहा गया है।
- विश्व के सबसे पुराने पर्वतों में से एक **आबू पर्वत** (सिरोही) पर कई दुर्लभ **औषधीय महत्त्व के पादप एवं वनस्पतियाँ** पायी जाती है। **'आबू एन्सिस डिकिल्पटेरा'** नामक वनस्पति पूरे भारत में केवल यहीं पर मिलती है।
- राजस्थान का निकटतम समुद्री भाग **कच्छ की खाड़ी** (अरब सागर) है, जो राज्य की सीमा से **225 किमी.** की हवाई दूरी पर है।
- राज्य में **समुद्र** के सर्वाधिक **निकट** स्थित जिले क्रमशः **बाड़मेर** एवं **सांचौर** हैं। भवातरा (सांचौर) में शुष्क बंदरगाह प्रस्तावित है।
- राजस्थान का सबसे निकट स्थित बंदरगाह **दीनदयाल पोर्ट, कांडला** (कच्छ जिला, **गुजरात**) है, जो **कच्छ की खाड़ी** के उत्तरी किनारे अवस्थित है। इस बंदरगाह का निर्माण स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 1950 में कराची बन्दरगाह के पाकिस्तान में चले जाने के उपरांत किया गया है। राजस्थान राज्य का उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र **कांडला** बंदरगाह के एवं दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र **मुंबई** बंदरगाह के **पृष्ठ प्रदेश** में आता है।
- राजस्थान की सीमा (कुल लम्बाई-5920 किमी.) भारत के **पाँच** राज्यों **पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश** एवं **गुजरात** राज्यों से लगती है। इन पड़ौसी राज्यों में **गुजरात** एकमात्र **समुद्री तट** वाला राज्य है।
- राजस्थान की **1070 किमी.** लम्बी **उत्तरी-पश्चिमी सीमा** (रेडक्लिफ रेखा) **पाकिस्तान** के साथ लगती है।
- **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र** (**NCR**–National Capital Region) में राजस्थान के **अलवर** एवं **भरतपुर** जिलों को क्रमशः वर्ष **1986** एवं **2013** में सम्मिलित किया गया है। **एन.सी.आर.** के **काउंटर मैग्नेट सिटी** के रूप में राजस्थान के **जयपुर** एवं **कोटा** नगरों की पहचान की गयी है।
- राजस्थान की राजधानी **जयपुर,** देश का **10वाँ सबसे बड़ा नगर** है। मुंबई, दिल्ली, बंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, कोलकाता, सूरत एवं पुणे नगरों की जनसंख्या जयपुर से अधिक है (जनगणना-2011 के अनुसार)।
- **विंध्याचल पर्वतमाला** राजस्थान के **चित्तौड़गढ़** जिले से प्रारंभ होकर मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में होते हुए बिहार के **सासाराम** तक विस्तृत है।
- **क्रिटेशस काल** के दौरान हुए ज्वालामुखी लावा प्रवाह से **दक्कन के पठार** का निर्माण हुआ। इस पठार का उत्तरी भाग राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी भाग में **हाड़ौती के पठार** के रूप में विस्तृत है।
- **टेथिस सागर** के अवशेष के रूप में भारत में पायी जाने वाली सभी **लवणीय झीलें** (सांभर, डीडवाना, डेगाना, लूणकरणसर, पचपदरा इत्यादि) राजस्थान में स्थित हैं। इन लवणीय झीलों से **नमक का उत्पादन** किया जाता है।
- **भरतपुर** स्थित **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** (घना पक्षी विहार) भारत में **साइबेरियन सारस** एवं अन्य **प्रवासी पक्षियों** की विश्वप्रसिद्ध शरणस्थली है। इस क्षेत्र को वर्ष **1985** में **यूनेस्को प्राकृतिक विश्व धरोहर** सूची में सम्मिलित किया गया है।
- राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित **बाड़मेर-साँचौर हाइड्रोकार्बन बेसिन** से भारत के एक-चौथाई **पेट्रोलियम भण्डार** प्राप्त हुए हैं।
- **चम्बल नदी** राजस्थान एवं मध्य प्रदेश की **241 कि.मी.** लम्बी प्राकृतिक सीमा बनाती है।
- भारत में **मीठे पानी** (स्वच्छ जल) की **सबसे बड़ी कृत्रिम झील जयसमन्द** राजस्थान के वर्तमान **सलूम्बर** जिले में अवस्थित है।
- देश की कुल जनसंख्या में राजस्थान का अंश **5.67%** है। जनगणना-2011 के अनुसार **जनसंख्या** की दृष्टि से राज्य का देश में **आठवाँ स्थान** है, राजस्थान से अधिक जनसंख्या वाले राज्य क्रमशः **उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश** व **तमिलनाडु** हैं। **तेलंगाना** राज्य के गठन (2 जून, 2014) के पश्चात् **जनसंख्या की दृष्टि** से राजस्थान राज्य का देश में **सातवाँ स्थान** हो गया है।

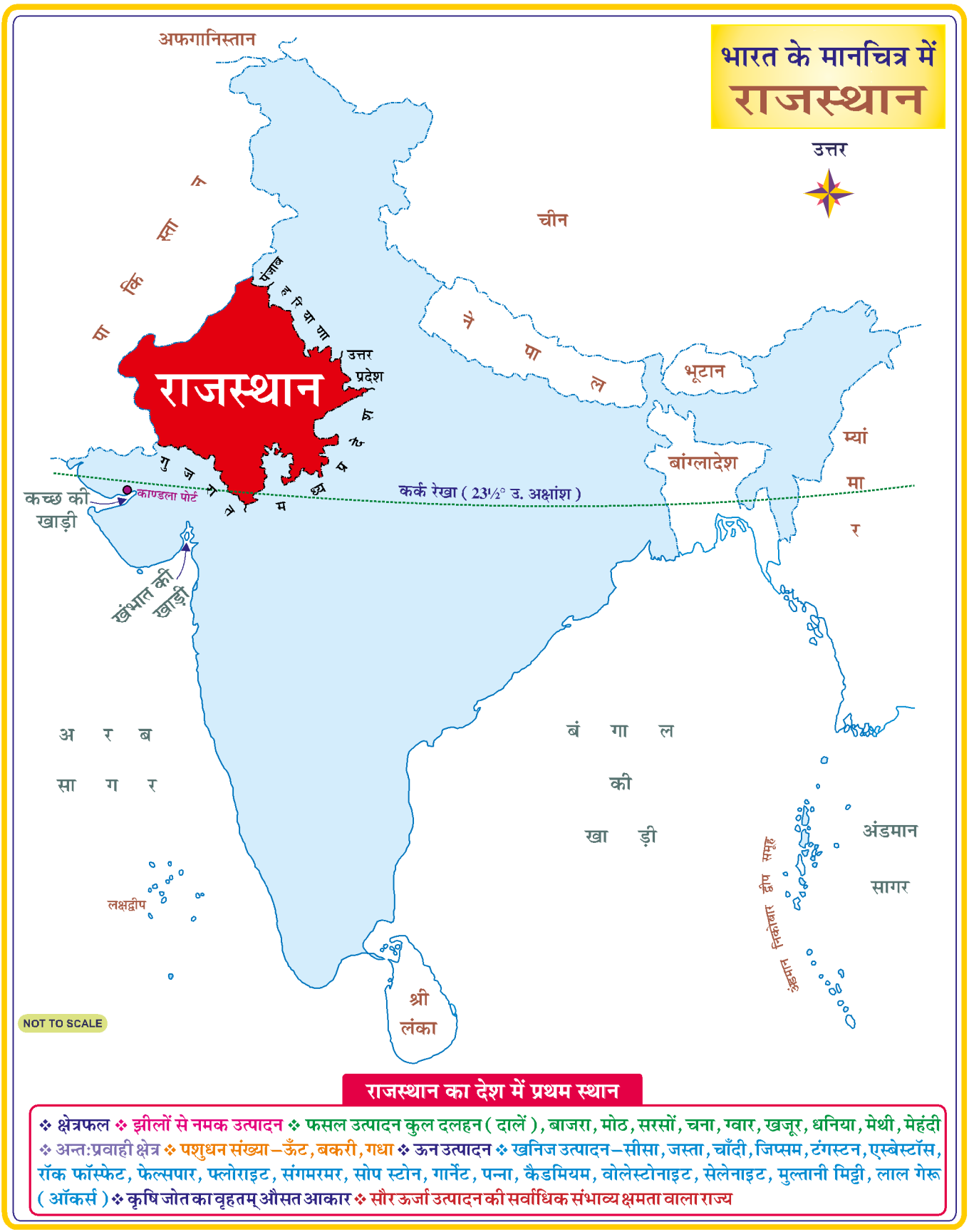

राजस्थान का देश में प्रथम स्थान

❖ क्षेत्रफल ❖ झीलों से नमक उत्पादन ❖ फसल उत्पादन कुल दलहन (दालें), बाजरा, मोठ, सरसों, चना, ग्वार, खजूर, धनिया, मेथी, मेहंदी ❖ अन्तःप्रवाही क्षेत्र ❖ पशुधन संख्या–ऊँट, बकरी, गधा ❖ ऊन उत्पादन ❖ खनिज उत्पादन–सीसा, जस्ता, चाँदी, जिप्सम, टंगस्टन, एस्बेस्टॉस, रॉक फॉस्फेट, फेल्सपार, फ्लोराइट, संगमरमर, सोप स्टोन, गार्नेट, पन्ना, कैडमियम, वोलेस्टोनाइट, सेलेनाइट, मुल्तानी मिट्टी, लाल गेरू (ऑकर्स) ❖ कृषि जोत का वृहतम् औसत आकार ❖ सौर ऊर्जा उत्पादन की सर्वाधिक संभाव्य क्षमता वाला राज्य